वर्ष 1 - अंक 27
शुक्रवार 20 दिसम्बर 2024- कुल पृष्ठ - 4
RNI - NO. MPHIN/2015/64585

रणजीत टाइम्स

संसद की ड्योढ़ी पर हुई धक्का-मुक्की, BJP के दो सांसद घायल

दिल्ली पुलिस ने दर्ज की नेता विपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ FIR

संसद की कार्यवाही गुरुवार को शुरू होने से करीब एक घंटे पहले ही गहमागहमी बहुत बढ़ गई। BJP सांसद बाबा साहेब आंबेडकर की तस्वीरों वाले पोस्टर लिए हुए थे और संसद के मकर द्वार के पास कांग्रेस के खिलाफ नारेबाजी कर रहे थे। कांग्रेस समेत I.N.D.I.A. के सांसदों का प्रदर्शन मार्च प्रियंका गांधी के नेतृत्व में उसी ओर पहुंचा। उन्होंने गृह मंत्री अमित शाह पर आंबेडकर के अपमान का आरोप लगाया और उनके खिलाफ नारेबाजी की। करीब 10:30 मिनट से 10:45 मिनट तक दोनों तरफ से जोरदार नारेबाजी के साथ धक्का-मुक्की हुई, जिसमें बीजेपी के दो सांसद घायल हो गए। कहा गया कि नेता विपक्ष राहुल गांधी के दिए धक्के से ये चोटिल हुए। दिल्ली पुलिस ने देर शाम संसद परिसर में हुई धक्का-मुक्की मामले में राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर दी।

BJP के सांसद सारंगी धक्का-मुक्की में गिर गए, तो राहुल गांधी उन्हें देखने पहुंचे।

क्या कहना है बीजेपी का?

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि सांसदों के लिए मकर द्वार मेन एंट्री गेट है। गुरुवार को वहीं पर NDA सांसदों ने बाबा साहेब आंबेडकर का अपमान करने वाली कांग्रेस के खिलाफ प्रदर्शन किया। राहुल गांधी ने बीजेपी के दो सांसदों- प्रताप सिंह सारंगी और मुकेश राजपूत को जोर से धक्का देकर बुरी तरह घायल किया। उनके सिर से खून आ गया।

कांग्रेस ने क्या दिया जवाब?

प्रियंका गांधी ने कहा कि सिर्फ अमित शाह को बचाने के लिए यह साजिश रची गई है। मेरी आंखों के सामने खरगे जी को धक्का मारकर जमीन पर गिरा दिया। वहीं, राहुल ने कहा, 'हम आंबेडकर प्रतिमा से संसद की ओर शांति से जा रहे थे। सीढ़ियों पर BJP के सांसद खड़े थे, जो हमें अंदर जाने नहीं दे रहे थे। इन्होंने आंबेडकर का अपमान किया है। अमित शाह इस्तीफा दें।'

शिकायत दर्ज : दोनों पक्षों ने पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। लोकसभा और राज्यसभा के सभापति को शिकायत सौंपी। NDA और कांग्रेस ने एक-दूसरे को दोषी ठहराया।

दो सांसद ICU में : BJP सांसद प्रताप सारंगी और मुकेश राजपूत को सिर में चोट लगने के कारण संसद से RML अस्पताल लाया गया। दोनों को ICU में रखा गया।

संसद में हंगामा: अमित शाह के बयान और राहुल गांधी पर लगे धक्का-मुक्की के आरोपों पर दोनों सदनों में हंगामा हुआ। इस वजह से दोनों सदनों को स्थगित करना पड़ा।

विडियो बयान : कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि सरकार ने आंबेडकर पर शाह के बयान की क्लिप सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म X से हटाने के निर्देश दिए। कांग्रेस को X की ओर से एक ईमेल मिला।

26 दिसंबर को होने वाली महापंचायत को लेकर, गांव गांव किया दौरा

रामपुर दिनांक 19 दिसंबर 2024 को भारतीय किसान यूनियन सुनील के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन चतुर्वेदी की मौजूदगी में, भारतीय किसान यूनियन सुनील के जिला अध्यक्ष रामपुर लालता प्रसाद गंगवार (समाजसेवी) के नेतृत्व में दिनांक 26 दिसंबर 2024 को जनपद रामपुर के तहसील मिलक क्षेत्र के गांव रहसैना मे होने वाली भारतीय किसान यूनियन सुनील की विशाल किसान मजदूर महापंचायत को सफल बनाने के लिए, मिलक क्षेत्र के गांव गांवो का दौरा कर महापंचायत को सफल बनाने, अपील की,ग्राम

नरखेड़ा शिव मंदिर पर, उपस्थित किसानों से

कहा यह पंचायत सिर्फ आपके मुद्दों के लिए होगी, पंचायत को संबोधित करते हुए, जिला अध्यक्ष ने कहा विशाल किसान मजदूर महापंचायत में हजारों की तादाद में पहुंचकर महापंचायत को सफल बनाएं, जिला अध्यक्ष लालता प्रसाद गंगवार (समाजसेवी) ने कहा विशाल किसान मजदूर महापंचायत में जनपद रामपुर से हजारों किसान गरीब मजदूर महिलाएं, उपस्थित रहेंगे महापंचायत में पहुंच रहे हैं मथुरा अलीगढ़ संभल मुरादाबाद बरेली और तहसील मिलक रामपुर में किसानो की समस्या विकराल रूप धारण किए हुए है, लेकिन जिला प्रशासन इस ओर ध्यान नहीं दे रहा, इसको लेकर महापंचायत का आयोजन, दिनांक 26 दिसंबर 2024 को, जनपद रामपुर के तहसील मिलक क्षेत्र के गांव रहसैना मे, भा कि यू सु के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील चौधरी, राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन चतुर्वेदी, जनपद रामपुर के प्रशासन के समक्ष किसानों की विभिन्न समस्याएं रखेंगे, इस मौके पर, किसान नेता देवेंद्र गंगवार, विनोद गंगवार, बेटा ग्राम प्रधान, नौबत राम लोधी, शिबू बाबा बाबूराम गंगवार, बबलू गंगवार, हरीश गंगवार, प्रमुख रूप से मौजूद थे,

"चाणक्यः दृढ़ निश्चय और रणनीति का प्रतीक"

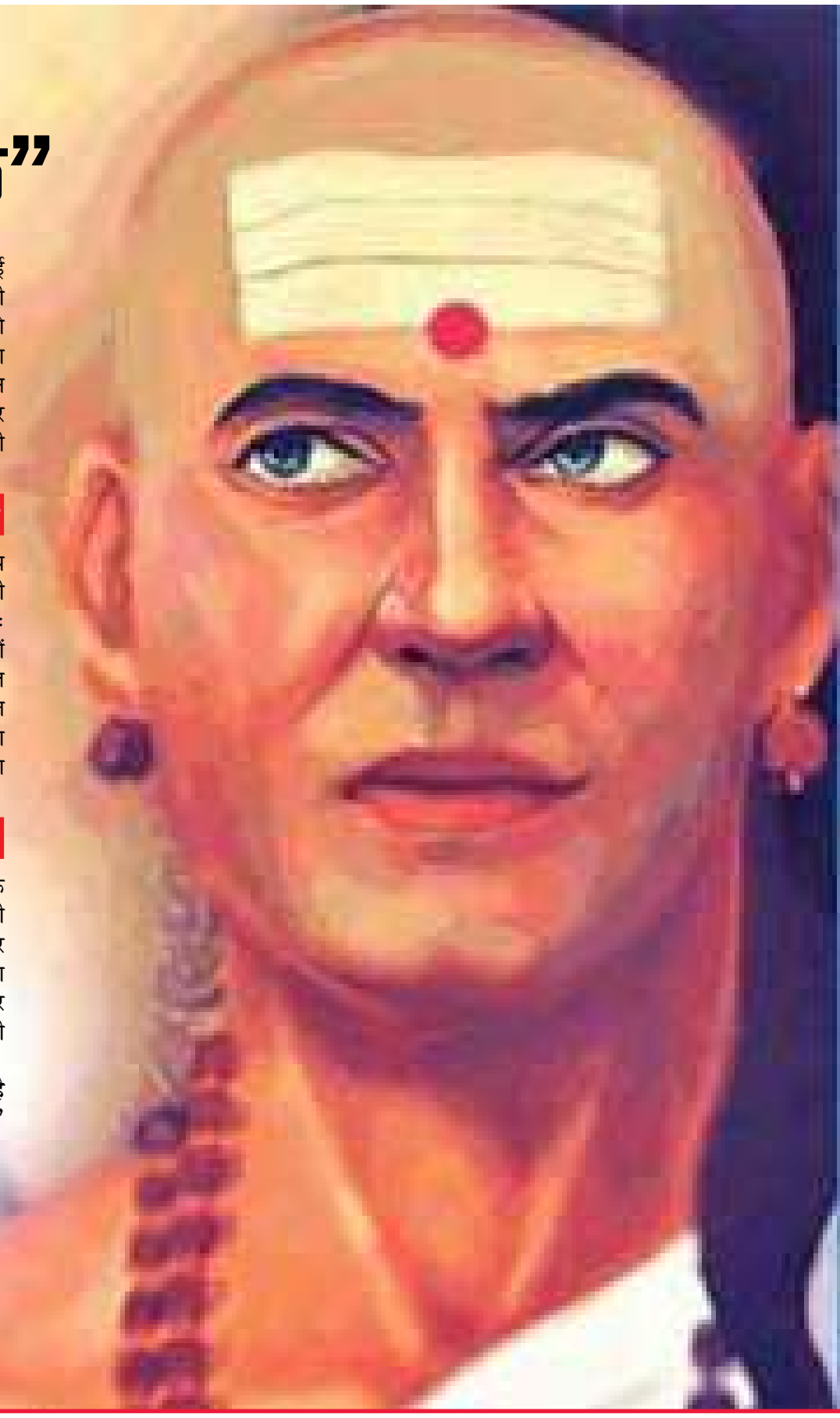

संवाददाताः रणजीत टाइम्स

हार में भी जीत की राह तलाशो"

इतिहास ऐसे व्यक्तित्वों से भरा हुआ है, जिन्होंने अपने विचारों और कार्यों से न केवल समय को बदला बल्कि एक नए युग की नींव रखी। ऐसा ही एक नाम है आचार्य चाणक्य का, जिन्हें कौटिल्य और विष्णुगुप्त के नाम से भी जाना जाता है। उनकी कहानी सिर्फ एक शिक्षक की नहीं, बल्कि संघर्ष, दृढ़ निश्चय और अद्वितीय रणनीति की मिसाल है।

अवसर और चुनौतियों की कहानी

आचार्य चाणक्य का जन्म लगभग 350 ईसा पूर्व तक्षशिला में हुआ। वह प्रारंभ से ही राजनीति और अर्थशास्त्र के प्रकांड विद्वान थे। उनके समय में भारत राजनीतिक अस्थिरता और आक्रमणों से जूझ रहा था। जब नंद वंश के राजा ने उनका अपमान किया, तो चाणक्य ने प्रण लिया कि वह न केवल राजा को सत्ता से हटाएंगे, बल्कि पूरे भारत को एकजुट करेंगे। यह उनकी दूरदृष्टि थी जिसने उन्हें एक सामान्य बालक चंद्रगुप्त मौर्य को एक महान सम्राट में बदलने के लिए प्रेरित किया।

हार नहीं मानी, लक्ष्य साधा

चाणक्य के जीवन की सबसे बड़ी प्रेरणा उनकी दृढ़ता थी। उनके शुरुआती प्रयास विफल रहे, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। उन्होंने चंद्रगुप्त को प्रशिक्षित किया, एक नई सेना बनाई और एक शक्तिशाली साम्राज्य की नींव रखी। उनकी रणनीतियों ने नंद वंश को परास्त किया और मौर्य साम्राज्य की स्थापना की। उन्होंने यह साबित कर दिया कि साधन सीमित हो सकते हैं, लेकिन इच्छाशक्ति और सही रणनीति के बल पर असंभव को भी संभव बनाया जा सकता है

चाणक्य नीतिः आज भी प्रासंगिक

चाणक्य ने "अर्थशास्त्र" और "चाणक्य नीति" जैसे ग्रंथों की रचना की, जो आज भी प्रेरणा का स्रोत हैं। उनकी नीतियाँ सिखाती हैंः संघर्ष का सामना करोः विपरीत परिस्थितियों में भी साहस और धैर्य बनाए रखें। रणनीति बनाओः बिना योजना के कोई भी लक्ष्य हासिल करना मुश्किल है। ज्ञान ही शक्ति हैः शिक्षा और ज्ञान से ही समाज को सही दिशा दी जा सकती है।

सीख जो आज भी प्रेरित करती है

चाणक्य की कहानी हमें सिखाती है कि संघर्ष चाहे कितना भी बड़ा क्यों न हो, सही दिशा, सही रणनीति और दृढ़ निश्चय से हर बाधा को पार किया जा सकता है। उनका जीवन हर व्यक्ति को यह प्रेरणा देता है कि हार को जीत में बदलने का एक ही मंत्र है—कड़ी मेहनत और लक्ष्य के प्रति समर्पण।

"रणनीति में जीत है और दृढ़ता में सफलता।"

"दंडोतिया" बोले - "तुझे तो नहीं छोड़ूंगा...

मेरा चेहरा याद रखना... जहां मिलेगा, वहां से उठाऊंगा..!"

इंदौर में एडीसीपी क्राइम ब्रांच राजेश दंडोतिया की सक्रियता का ही नतीजा है कि जनता डिजीटल अरेस्ट को लेकर लगातार जागरूक हो रही है...

दंडोतिया जहां सोशल मीडिया के माध्यम से जनता को जागरूक करवा रहे हैं.....

मीडिया के जरिए भी अपील की जाती है कि डिजीटल अरेस्ट नाम की कोई चीज नहीं होती है.. अब इंदौरी बढ़-चढ़कर पुलिस से सम्पर्क कर इन डिजीटल अरेस्ट करने वालों की शिकायत कर रहे हैं... अभी ताजा मामला सॉफ्टवेयर इंजीनियर मोहित मौर्य का सामने आया, जिन्हें तीन दिनों तक ठगों ने अपने जाल में फंसाए रखा... शिकायत मिलने पर श्री दंडोतिया खुद मौके पर पहुंचे और खुद ठगोरे से बात की... उन्होंने ठग से पूछा कि कहां से हो, तो वह बोला - दिल्ली से... इस पर दंडोतिया ने कहा कि मेरा चेहरा स्क्रीनशॉप में ले लो... तुम चाहे दिल्ली, हैदराबाद या जहां चाहे वहां छुप जाओ... वहीं से गिरफ्तार करूंगा तुम्हें... इसके बाद दंडोतिया ने सोशल मीडिया पर ठगोरे का चेहरा वायरल भी करवाया... मालूम हो कि यह पहली बार हुआ कि जब किसी डिजीटल अरेस्ट करने वाले ठगोर।

प्रवर्तन निदेशालय

आर्थिक अपराधों पर सख्ती का प्रहरी

संपादक, रणजीत टाइम्स

भारत के वित्तीय तंत्र की सुरक्षा और आर्थिक अपराधों पर रोक लगाने में प्रवर्तन निदेशालय (Enforcement Directorate - ED) एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह संस्थान देश की वित्तीय प्रणाली को भ्रष्टाचार, धन शोधन और विदेशी मुद्रा कानूनों के उल्लंघन से बचाने के लिए स्थापित किया गया था। वर्तमान में ED भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग के अंतर्गत कार्य करता है। इसकी भूमिका और शक्तियाँ समय के साथ बढ़ी हैं, जिससे यह आर्थिक अपराधियों के लिए एक कठोर और प्रभावी प्रहरी बन चुका है।

प्रवर्तन निदेशालय की भूमिका और जिम्मेदारियाँ

1. धन शोधन निवारण अधिनियम (PMLA) 2002:

प्रवर्तन निदेशालय के पास यह अधिकार है कि वह आर्थिक अपराधों से अर्जित धन और संपत्तियों की कुर्की करे। PMLA के तहत ED संदिग्ध लेनदेन की जांच करता है और दोषियों को न्याय के दायरे में लाता है।

2. विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (FEMA) 1999:

यह अधिनियम विदेशी मुद्रा के अवैध उपयोग और देश से बाहर अवैध धन के लेनदेन को नियंत्रित करने के लिए लागू किया गया है।

3. मूल्यवान संपत्तियों की कुर्की:

ED बड़े घोटालों और घूसखोरी के मामलों में अर्जित अवैध संपत्तियों की कुर्की करता है।

4. राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सहयोग

ED इंटरपोल और अन्य अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के साथ मिलकर अपराधियों पर शिकंजा कसता है।

अब तक की उपलब्धियाँ

ED ने अपने सख्त कदमों से कई बड़े मामलों में कार्रवाई की है: अब तक 1.04 लाख करोड़ की संपत्तियों की कुर्की की गई है। 400 से अधिक गिरफ्तारियाँ और 900 से अधिक अभियोजन शिकायतें दर्ज की गई हैं कई बड़े आर्थिक अपराधी, जैसे नीरव मोदी और विजय माल्या, ED की जांच के दायरे में हैं। इन आँकड़ों से यह स्पष्ट होता है कि ED ने देश के आर्थिक अपराधों पर लगाम लगाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

चुनौतियाँ और आलोचनाएँ

हालांकि प्रवर्तन निदेशालय की कार्यशैली और उपलब्धियाँ प्रभावशाली हैं, लेकिन इसकी स्वतंत्रता और निष्पक्षता पर सवाल उठाए जाते हैं। कई बार यह आरोप लगता है कि ED का उपयोग राजनीतिक प्रतिशोध के लिए किया जाता है। यह संस्थान अगर निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से काम करे, तो देश की जनता का विश्वास और भी मजबूत हो सकता है।

जनता और सरकार की भूमिका

देश को आर्थिक अपराधों से बचाने के लिए ED के साथ-साथ जनता और सरकार को भी अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी

1. सरकार को

ED की स्वायत्तता और निष्पक्षता सुनिश्चित करनी चाहिए। इसके लिए पर्याप्त संसाधन और प्रशिक्षित कर्मी उपलब्ध कराने चाहिए।

2. जनता को आर्थिक लेन-देन में पारदर्शिता बनाए रखनी चाहिए। घूसखोरी और अवैध लेनदेन की रिपोर्टिंग करनी चाहिए।

आखिरी शब्द

प्रवर्तन निदेशालय का कार्यभार न केवल आर्थिक अपराधों पर रोक लगाना है, बल्कि यह देश की वित्तीय प्रणाली में विश्वास बनाए रखने का भी है। ED के प्रयास तभी सफल होंगे जब यह निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ कार्य करे। देश के आर्थिक भविष्य की रक्षा के लिए ED जैसी संस्थाओं का सशक्त और निर्भीक होना अत्यंत आवश्यक है।

ओंकारेश्वर

आध्यात्मिकता, विकास और सतत ऊर्जा का संगम

मध्यप्रदेश के पवित्र नगरी ओंकारेश्वर में हाल के वर्षों में हुए विकास कार्य न केवल धार्मिकता को बढ़ावा दे रहे हैं, बल्कि क्षेत्र को एक नई पहचान भी दे रहे हैं। नर्मदा नदी के किनारे बसी यह नगरी अब आध्यात्मिक और पर्यावरणीय विकास के एक आदर्श उदाहरण के रूप में उभर रही है।

धार्मिक धरोहर का संरक्षण और विस्तार

ओंकारेश्वर में चल रहे विकास कार्यों में सबसे महत्वपूर्ण कदम मंदिर परिसर का पुनर्निर्माण है। सिंहस्थ 2028 को ध्यान में रखते हुए प्राचीन ममलेश्वर मंदिर का नवीनीकरण और घाटों का विस्तार किया जा रहा है। नए प्रतीक्षालय और पार्किंग जैसी सुविधाएं लाखों श्रद्धालुओं के लिए अनुभव को सुखद बनाएंगी। यह केवल एक संरचना का विकास नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक धरोहर को जीवंत रखने का प्रयास है।

'एकता की मूर्ति' से अद्वैत दर्शन का संदेश

18 सितंबर 2023 को स्थापित की गई 108 फीट ऊंची आदि शंकराचार्य की 'Statue of Oneness' न केवल एक पर्यटन आकर्षण है, बल्कि यह अद्वैत वेदांत के संदेश को पूरे विश्व में फैलाने का एक प्रयास है। इस परियोजना के साथ अंतरराष्ट्रीय अद्वैत वेदांत संस्थान और शंकराचार्य संग्रहालय जैसी पहलें ओंकारेश्वर को एक वैश्विक आध्यात्मिक केंद्र के रूप में स्थापित करेंगी।

पर्यावरण के प्रति प्रतिबद्धता: फ्लोटिंग सोलर प्रोजेक्ट

ओंकारेश्वर ने पर्यावरण संरक्षण में भी एक मील का पत्थर स्थापित किया है। नर्मदा नदी पर बन रहा दुनिया का सबसे बड़ा फ्लोटिंग सोलर पावर प्रोजेक्ट, क्षेत्र को स्वच्छ ऊर्जा का प्रमुख स्रोत बना रहा है। 600 मेगावाट क्षमता वाला यह प्रोजेक्ट न केवल ऊर्जा आपूर्ति को सुदृढ़ करेगा, बल्कि पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में भी मदद करेगा।

ओंकारेश्वर: भविष्य की ओर एक कदम

ये सभी विकास कार्य ओंकारेश्वर को सिर्फ एक धार्मिक स्थल तक सीमित नहीं रखते, बल्कि इसे आधुनिक भारत के विकास का प्रतीक बनाते हैं। धार्मिकता, पर्यटन, और सतत ऊर्जा के संगम ने इस नगरी को न केवल राज्य, बल्कि देश और विदेश में भी एक नई पहचान दी है। ओंकारेश्वर का यह विकास हमें यह संदेश देता है कि हमारी परंपराएं और आधुनिकता एक साथ चल सकती हैं। यह नगरी भविष्य में न केवल आध्यात्मिक शांति का केंद्र बनेगी, बल्कि पर्यावरण और ऊर्जा के क्षेत्र में भी दुनिया के लिए एक मिसाल प्रस्तुत करेगी।

(संपादक, रणजीत टाइम्स)

आत्महत्या

एक गंभीर चुनौती और समाधान की ओर पहल

गोपाल गावंडे,
संपादक
रणजीत टाइम्स

भारत में आत्महत्या की बढ़ती घटनाएँ एक गंभीर सामाजिक और मानसिक स्वास्थ्य समस्या बन चुकी हैं। हर साल हजारों लोग इस दुर्दशा के शिकार हो रहे हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB) के अनुसार, 2022 में 1,70,000 से अधिक आत्महत्याएँ दर्ज की गईं। यह आँकड़े समाज में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति उदासीनता और जागरूकता की कमी को उजागर करते हैं।

सरकार ने इस समस्या से निपटने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं, लेकिन जागरूकता की कमी और सामाजिक कलंक के कारण इनका पूरी तरह लाभ नहीं मिल पा रहा है। आत्महत्या के प्रमुख कारणों को समझते हुए समाधान और सरकारी पहलों पर ध्यान देना अत्यंत आवश्यक है।

आत्महत्या के प्रमुख कारण

1. मानसिक स्वास्थ्य समस्याएँ:

अवसाद, चिंता और मानसिक विकार सबसे बड़े कारणों में से हैं। मानसिक स्वास्थ्य को लेकर समाज में अभी भी कलंक और अज्ञानता बनी हुई है।

2. आर्थिक तंगी और कर्ज़ का दबाव:

ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों की आत्महत्या, विशेष रूप से कर्ज़ और आर्थिक अस्थिरता के कारण, एक चिंताजनक समस्या है।

3. शैक्षणिक दबाव:

छात्रों में परीक्षा का भय, असफलता का डर और करियर संबंधी अनिश्चितता आत्महत्या के मामलों में तेजी ला रहे हैं।

4. पारिवारिक और सामाजिक दबाव:

पारिवारिक कलह, दहेज उत्पीड़न, घरेलू हिंसा और सामाजिक प्रतिष्ठा में गिरावट भी आत्महत्या के बड़े कारण हैं।

5. नशे की लत:

नशीली दवाओं और शराब की लत के चलते व्यक्ति मानसिक और शारीरिक रूप से कमजोर होकर आत्महत्या की ओर प्रवृत्त होता है

सरकारी पहल और योजनाएँ

सरकार आत्महत्या रोकने के लिए कई योजनाओं और हेल्पलाइन नंबरों का संचालन कर रही है। इनमें से कुछ प्रमुख पहल निम्नलिखित हैं

1. किरण हेल्पलाइन (1800-599-0019):

यह हेल्पलाइन मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए 24/7 उपलब्ध है। यहाँ प्रशिक्षित परामर्शदाता तुरंत मदद प्रदान करते हैं।

2. मनोदर्पण पहल:

शिक्षा मंत्रालय द्वारा शुरू की गई यह पहल छात्रों और शिक्षकों को मानसिक स्वास्थ्य सहायता प्रदान करती है। इसके

तहत परामर्श सेवाएँ, कार्यशालाएँ और ऑनलाइन संसाधन उपलब्ध कराए जाते हैं।

3. राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम (NMHP):

1982 में शुरू किया गया यह कार्यक्रम मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए कार्यरत है।

4. फार्मर्स डिस्ट्रेस रिलीफ प्रोग्राम:

ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों की आत्महत्या रोकने के लिए सरकार कर्ज़ माफी, बीमा योजनाएँ और आर्थिक सहायता प्रदान करती है।

5. नशा मुक्ति केंद्र:

नशीली दवाओं और शराब के दुरुपयोग को रोकने के लिए देश भर में नशा मुक्ति केंद्र संचालित किए जा रहे हैं।

6. समाज कल्याण योजनाएँ:

बेरोजगार युवाओं के लिए प्रधानमंत्री रोजगार योजना, कौशल विकास योजना और प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि जैसी योजनाएँ लागू हैं

आत्महत्या रोकने के उपाय

1. मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार:

प्रत्येक जिले में मानसिक स्वास्थ्य केंद्र स्थापित करने की आवश्यकता है।

2. सामाजिक जागरूकता:

आत्महत्या से जुड़े कलंक को मिटाने और समस्या के समाधान के लिए सामुदायिक सहयोग बढ़ाने की जरूरत है।

3. शैक्षणिक परामर्श:

छात्रों के लिए स्कूल और कॉलेज स्तर पर परामर्श सेवाओं को अनिवार्य बनाया जाना चाहिए।

4. आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा:

गरीब और बेरोजगार वर्गों के लिए सरकारी योजनाओं का प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित करना चाहिए।

आखिरी शब्द: जीवन को बचाने की जिम्मेदारी

आत्महत्या रोकथाम में जागरूकता, समर्थन और सरकारी पहलों की बड़ी भूमिका है। यदि आप या आपका कोई परिचित मानसिक तनाव से जूझ रहा है, तो तुरंत मदद लें। जीवन अनमोल है, और इसका हर क्षण मूल्यवान है।

क्या आप भी बनना चाहते हैं
जनता की आवाज ?
तो जुड़िए रणजीत टाइम्स न्यूज़पेपर के साथ
और बनिए जनता की सशक्त आवाज
आपकी खबर, आपकी ताकत!
जुड़ने के लिए अभी संपर्क करें
9827068888, 8224951278
आपका रणजीत टाइम्स
जनताकीआवाज

आधी रात को गश्त करने खनियाधाना पहुंचे एसडीओपी प्रशांत शर्मा

ऋषि गोस्वामी

दि 18/19 दिसंबर की दरम्यानी रात को 2 बजे अचानक से पिछोर एसडीओपी प्रशांत शर्मा बिना किसी को सूचना दिए खनियाधाना बस स्टैंड पर पहुंच गए और रात्रि गश्त में लगे बल को चेक किया और उनकी गश्त के प्रति सतर्कता परखी। बता दें कि प्रदेश पुलिस के नए मुखिया श्री कैलाश मकवाना ने सभी जिला SP को सर्प्राइज चेकिंग के निर्देश दिए हैं,इसी क्रम में एसडीओपी पिछोर ने आधी रात को इस कार्यवाही को अंजाम दिया।

श्री शर्मा से जब इस बारे में चर्चा की तो उन्होंने बताया कि वर्तमान में सर्दी अधिक होने के कारण पुलिस गश्त की भूमिका और अधिक बढ़ जाती है इसलिए ये चेकिंग की,गश्त चेक के साथ साथ श्री शर्मा थाने पर भी पहुंचे और थाने के महत्वपूर्ण रजिस्टर चेक किए और अधिक से अधिक अपराध निकाल के निर्देश स्टाफ को दिए।